

प्रेषक,

डॉ०एम०सी० जोशी,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली अधिकारी,
नगर पंचायत,
बड़कोट,
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून:दिनांक: 27 मार्च, 2009

विषय:-द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को धनराशि का संक्रमण (चतुर्थ त्रैमास किश्त हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं०-48/XXVII(1)/2009 दिनांक 20 जनवरी, 2009 का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा उक्त शासनादेश के संलग्नानुसार समस्त नगर पंचायतों को राज्य की वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी से मार्च) हेतु रु० 17166931.00 (रु० एक करोड़ इकहत्तर लाख छियासठ हजार नौ सौ इक्तीस मात्र) अवमुक्त की गई थी। 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों पर नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में अवमुक्त धनराशि उपयोगिता प्रमाण-पत्र ना मिलने के कारण उनको देय समनुदेशन से समायोजित किया गया था।

2- इस सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत निकायों को अवमुक्त धनराशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त हो जाने के कारण रोकी गई धनराशि रु० 1389570.00 (रु० तेरह लाख नवासी हजार पाँच सौ सत्तर मात्र) संलग्न विवरण के अनुसार अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3-अवमुक्त की जा रही धनराशि शासनादेश सं०-48/XXVII(1)/2009 दिनांक 20 जनवरी, 2009 में उल्लिखित शर्तों के अधीन ही व्यय की जायेगी।

4-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनैत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतें/नोटीफाइड एरिया/कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

संलग्नकः—यथोपरि ।

भवदीय

(डॉ०एम०सी० जोशी)
अपर सचिव, वित्त

संख्या:- 243 (1)/XXVII(1)/2009 तददिनांक ।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ, उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
- 7- मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड।
- 8- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10- एन० आई० सी०, सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आडा से

(डॉ०एम०सी० जोशी)
अपर सचिव, वित्त


शासनादेश संख्या: 243 /XXVII (i) / 2009

दिनांक: 27 मार्च 2009 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को चतुर्थ त्रैमास से रोकी गई धनराशि का संकमण।

क्र.सं.	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर वर्ष 2008-09 हेतु चतुर्थ किरत हेतु देय संकमण	अवमुक्त धनराशि	(धनराशि रु० में) उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने के उपरान्त जारी की जा रही धनराशि
1	2	3	4	5
1-नगर पंचायत				
1- यड़कोट		3128000	1738430	1389570
योग		3128000.00	1738430.00	1389570.00

(रु० तेरह लाख नवारी हजार पाँच सौ सत्तर मात्र)


(डॉ०एस०सी० जोशी)
अपर सचिव, वित्त।